Cambridge Assessment International Education

Cambridge International AS Level

HINDI LITERATURE **8675/04**

Paper 4 Texts **October/November 2024**

2 hours 30 minutes

1978239759

You must answer on the enclosed answer booklet.

You will need: Answer booklet (enclosed)

INSTRUCTIONS

- Answer **three** questions in total in **Hindi**, each on a different text:
  - Answer **at least one question** from Section 1.
  - Answer **at least one question** from Section 2.
  - Answer **one other question** from **either** Section 1 **or** Section 2.
- Follow the instructions on the front cover of the answer booklet. If you need additional answer paper, ask the invigilator for a continuation booklet.
- Dictionaries are **not** allowed.
- You may **not** take set texts into the examination.

INFORMATION

- The total mark for this paper is 75.
- Each question is worth 25 marks.

निर्देश

- कुल **तीन** प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** में दें, प्रत्येक भिन्न-भिन्न विषय पर:
  - खंड 1 में से **कम से कम एक प्रश्न** का उत्तर दें।
  - खंड 2 में से **कम से कम एक प्रश्न** का उत्तर दें।
  - खंड 1 **या** 2 में से **एक और प्रश्न** का उत्तर दें।
- उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर दिये गये निर्देशों का अनुसरण करें। यदि आपको अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका चाहिए तो निरीक्षक से माँग लें।
- शब्दकोश के प्रयोग की अनुमति **नहीं** है।
- आप परीक्षा में निर्धारित पाठ्य-पुस्तक **नहीं** ले जा सकते हैं।

सूचना

- इस परीक्षा के कुल अंक 75 हैं।
- प्रत्येक प्रश्न के 25 अंक हैं।

This document has **8** pages. Any blank pages are indicated.

© UCLES 2024

उत्तर-पुस्तिका के लिए निर्देश

काली या गहरी नीली स्याही वाली कलम का प्रयोग करें।

आप किसी भी आरेख या ग्राफ के लिए एचबी पेंसिल का उपयोग कर सकते हैं।

उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर दिये गये निर्देशों का अनुसरण करें। निर्देश नीचे **हिन्दी** में भी दिए गए हैं।

यदि आपको अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका चाहिए तो निरीक्षक से माँग लें।

मिटने वाले पेन या करेक्शन्-फ़्लूइड का प्रयोग **न** करें।

किसी भी बारकोड पर **न** लिखें।

अपने उत्तर इस पुस्तिका में लिखें। पृष्ठ के दोनों भागों का प्रयोग करें। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के बीच में दो रेखाएं रिक्त छोड़ दें।

जिस प्रश्न का आप उत्तर दे रहे हैं उसकी संख्या पहले हाशिये में लिखें।

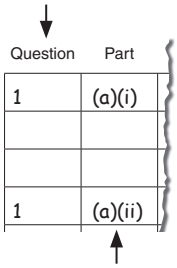

आप जिन प्रश्नों का उत्तर दे रहे हैं उनमें यदि भाग शामिल हैं, उदाहरण के लिए 1(ए), तो दूसरे हाशिये में प्रश्न का भाग लिखें।

इस उत्तर पुस्तिका में अपना सभी कच्चा काम पेन से करें। अपठनीय किए बिना ऐसा कुछ भी काट दें जिसे आप **नहीं** चाहते हैं कि परीक्षक चिन्हित करे।

इस पुस्तिका के किसी भी भाग को **न** फाड़ें।

आप अपने सारे पेपर जमा कर दें। यदि आपने किसी अतिरिक्त पुस्तिका का उपयोग किया है, तो उसे इस पुस्तिका के अंदर डालें।

© UCLES 2024

BLANK PAGE

किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक प्रश्न भिन्न-भिन्न पाठ्य-पुस्तक से चुना जाना चाहिए। **भाग 1** से **एक** प्रश्न, **भाग 2** से **एक** प्रश्न करना अनिवार्य है और **तीसरा** प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है। अपने उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका पर **हिन्दी** में लिखें।

भाग 1

1 श्री रामचरितमानस: तुलसीदास और सूरसागर सार: सूरदास

प्रश्न **(a)** और **(b)** में से **केवल एक प्रश्न** का उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर **500** से **600** शब्दों के बीच होना चाहिए।

(a) राम भगत हित नर तनु धारी । सहि संकट किए साधु सुखारी ॥
नामु सप्रेम जपत अनयासा । भगत होहिं मुद मंगल बासा ॥1॥
राम एक तापस तिय तारी । नामु कोटि खल कुमति सुधारी॥
रिषि हित राम सुकेतुसुता की । सहित सेन सुत कीन्हि बिबाकी ॥2॥
सहित दोष दुख दास दुरासा । दलइ नामु जिमि रबि निसि नासा ॥
भंजेउ राम आपु भव चापू । भव भय भंजन नाम प्रतापू ॥3॥
दंडक बन प्रभु कीन्ह सुहावन । जन मन अमित नाम किए पावन॥
निसिचर निकर दले रघुनंदन । नामु सकल कलि कलुष निकंदन ॥4॥
सबरी गीध सुसेवकनि सुगति दीन्हि रघुनाथ ।
नाम उधारे अमित खल बेद बिदित गुन गाथ ॥24॥

बालकाण्ड ॥24॥

उपर्युक्त उद्धरण की सप्रसंग व्याख्या करते हुए उसमें निहित संदेश पर टिप्पणी कीजिए। [25]

या

(b) सूरदास की भक्ति भावना में शांत, वात्सल्य और श्रृंगार रस का परिपाक है, पाठ्यक्रम में निर्धारित अंशों के उदाहरण सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए। [25]

2 प्रसाद, निराला, महादेवी, पंत की श्रेष्ठ रचनाएँ

प्रश्न **(a)** और **(b)** में से **केवल एक प्रश्न** का उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर **500** से **600** शब्दों के बीच होना चाहिए।

(a)

धीरे - धीरे उतर क्षितिज से
आ वसंत-रजनी!
तारकमय तव वेणी बंधन
शीशफूल कर शशि का नूतन
रश्मि वलय सित घन-अवगुण्ठन;
मुक्ताहल अभिराम बिछा दे
चितवन से अपनी।
पुलकती आ वसंत-रजनी!

मर्मर की सुमधुर नूपुर ध्वनि।
अलि गुंजित पद्मों की किंकिणि
भर पदगति में अलस तरंगिणि;
तरल रजत की धार बहा दे
मृदु स्मित से सजनी!
विहँसती आ वसंत-रजनी!

पुलकित स्वप्नों की रोमावलि
कर में हो स्मृतियों की अंजलि
मलयानिल का चल दुकूल अलि!
घिर छाया-सी श्याम, विश्व को
आ अभिसार बनी!
सकुचती आ वसंत-रजनी!

सिहर-सिहर उठता सरिता-उर
खुल-खुल पड़ते सुमन सुधा-भर
मचल-मचल आते पल फिर-फिर;
सुन प्रिय की पदचाप हो गई
पुलकित यह अवनि।
सिहरती आ वसंत-रजनी!

धीरे-धीरे उतर क्षितिज से

उपर्युक्त गीत की सप्रसंग व्याख्या करने के साथ लिखिए कि 'सुन प्रिय की पदचाप हो गई पुलकित यह अवनि' में किसके 'पदचाप' का संकेत है? [25]

या

(b) सुमित्रानंदन पंत की कविताओं की भावभूमि छायावाद से प्रारम्भ होकर प्रगतिवाद और अरविंद दर्शन तक को समेटी हुई है। इस कथन की उदाहरण सहित पुष्टि कीजिए। [25]

3 साकेत: मैथिलीशरण गुप्त

प्रश्न **(a)** और **(b)** में से **केवल एक प्रश्न** का उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर **500** से **600** शब्दों के बीच होना चाहिए।

(a)

मोद का आज न ओर न छोर,
आम्र वन-सा फूला सब ओर।
किंतु हा ! फला न सुमन-क्षेत्र,
कीट बन गए मंथरा - नेत्र।
देखकर कैकेयी यह हाल,
आप उससे बोली तत्काल -
"अरी, तू क्यों उदास है आज,
वत्स जब कल होगा युवराज?"
मंथरा बोली निस्संकोच -
"आपको भी तो है कुछ सोच?"
हँसी रानी सुनकर वह बात,
उठी अनुपम आभा अवदात।
"सोच है मुझको निस्संदेह,
भरत जो है मामा के गेह।
सफल करके निज निर्मल-दृष्टि,
देख वह सका न यह सुख-सृष्टि!"
ठोककर अपना क्रूर - कपाल,
जताकर यही कि फूटा भाल,
किंकरी ने तब कहा तुरंत -
"हो गया भोलेपन का अंत!"
न समझी कैकेयी वह बात,
कहा उसने-"यह क्या उत्पात?
वचन तू कहती है क्यों वाम?
नहीं क्या मेरा बेटा राम?"
"और वे औरस भरत कुमार;"
कुदासी बोली कर फटकार।
कहा रानी ने पाकर खेद -
"भला दोनों में है क्या भेद?"
"भेद?" दासी ने कहा सतर्क -
"सबेरे दिखला देगा अर्क।
राजमाता होंगी जब एक,
दूसरी देखेंगी अभिषेक!"

द्वितीय सर्ग

उपर्युक्त काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या करते हुए कैकेयी-मंथरा संवाद के महत्व पर प्रकाश डालिए। 'कीट बन गए मंथरा नेत्र' से क्या तात्पर्य है। [25]

या

(b) 'साकेत' की रचना की प्रेरणा और रामकथा में मैथिलीशरण गुप्त की मौलिक उद्भावना के उदाहरण देकर एक निबंध लिखिए। [25]

भाग 2

4 स्कंदगुप्त: जयशंकर प्रसाद

प्रश्न **(a)** और **(b)** में से **केवल एक प्रश्न** का उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर **500** से **600** शब्दों के बीच होना चाहिए।

(a) 'स्कंदगुप्त' नाटक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए और कथाशिल्प की दृष्टि से उस पर टिप्पणी कीजिए। [25]

या

(b) 'स्कंदगुप्त' नाटक में विजया का चरित्र चित्रण कीजिए। [25]

5 आधुनिक कहानी संग्रह: संपादक सरोजिनी शर्मा

प्रश्न **(a)** और **(b)** में से **केवल एक प्रश्न** का उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर **500** से **600** शब्दों के बीच होना चाहिए।

(a) 'ये त्यौहार हमें दूसरों के सामने नंगा करने चले आते हैं', 'त्यौहार' कहानी की कथावस्तु के आधार पर अम्मा के कथन की पुष्टि कीजिए। [25]

या

(b) 'दुर्घटना' और 'वापसी' कहानियों में पात्र और परिस्थितियों में भिन्नता होते हुए भी पारिवारिक संबंधों में आए बदलाव से उत्पन्न समस्या की समानता है। कथानक द्वारा विश्लेषण कीजिए। [25]

6 मॉरिशसीय हिंदी कहानियाँ: सम्पादक: अभिमन्यु अनत

प्रश्न **(a)** और **(b)** में से **केवल एक प्रश्न** का उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर **500** से **600** शब्दों के बीच होना चाहिए।

(a) 'टूटा पहिया' में भयवा यूसुफ के अनुभव के विवरण देते हुए लेखक के उद्देश्य का स्पष्टीकरण कीजिए [25]

या

(b) 'चाहे-अनचाहे' कहानी के मुख्य पात्र, कथानायक का चरित्र चित्रण कीजिए। [25]

© UCLES 2024

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge Assessment International Education Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cambridgeinternational.org after the live examination series.

Cambridge Assessment International Education is part of Cambridge Assessment. Cambridge Assessment is the brand name of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is a department of the University of Cambridge.

© UCLES 2024